जनपद अलमोड़ा में जावर से भांगादेवली लिंक मोटर मार्ग के निर्माण हेतु प्रस्तावित समरेखन की भूगर्भीय निरीक्षण आख्या।

1. प्रान्तीय खण्ड, लोक निर्माण विभाग अलमोड़ा के अन्तर्गत 3.00 कि0 मी0 लम्बाई में जावर से भांगादेवली लिंक मोटर मार्ग का निर्माण किया जाना प्रस्तावित है। अधिशासी अभियन्ता प्रान्तीय खण्ड लो0नि0वि0 अलमोड़ा के अनुरोध पर प्रस्तावित समरेखन का अधोहस्ताक्षरी के द्वारा दिनांक 13.12.2014 को सम्बंधित कनिष्ठ अभियन्ता श्री जगदीश प्रसाद के साथ निरीक्षण किया गया।

2. जनपद अल्मोड़ा में जागेश्वर विधानसभा के अन्तर्गत, जावर से भांगादेवली लिंक मोटर मार्ग का 3.00 कि0मी0 की लम्बाई में निर्माण कार्य स्वीकृत है। मार्ग के निर्माण हेतु प्रस्तावित समरेखन पूनागढ़ से नाटाडोल मोटर मार्ग के जावड़ बैण्ड (प्राथमिक पाठशाला के निकट) से खड्ड साइड में आरम्भ होता है तथा स्वीकृत 3.00 कि0मी0 लम्बाई पूर्ण कर समाप्त होता है। समरेखन में तीन हेयर पिन बैड्स दिये गये हैं, जो कमशः कास सेक्शन 0/3, 1/40 तथा 2/28 में दिये गये हैं। अवगत कराया गया कि समरेखन नापभूमि तथा वन पंचायत भूमि से होकर गुजरता है। क्षेत्र में अलमोड़ा ग्रुप की चट्टान है, जिसमें mica sehist तथा micaceous-quartzite है। ये चट्टान काफी बेदड़ हैं। समरेखन क्षेत्र में भूमि का ढलान सामान्यतः 20^0 से 35^0 के मध्य प्रतीत होता है।

3. समरेखन का कासेक्शन 0/35 से 1/11 तक लगभग 400 मीटर लम्बाई का भाग भूस्खलन से प्रभावित है। इसमें भूमि धीरे-धीरे नीचे धंस रही है। निरीक्षण के समय अवगत कराया गया कि वर्ष 2012 की अत्यधिक वर्षा (प्राकृतिक आपदा) के पश्चात् ही यहां भूस्खलन आरम्भ हुआ है। स्थल पर ज्ञात हुआ कि लगभग 400 मी0 लम्बाई में और 200–250 मी0 की ऊंचाई का भू भाग भूस्खलन से प्रभावित है। प्रस्तावित समरेखन इसके मध्य से निकलता है। स्पष्ट है कि इस भाग में मार्ग का निर्माण किये जाने पर भविष्य में मार्ग के भी धंसने एवं क्षतिग्रस्त होने की पूर्ण सम्भावना रहेगी।

4- समरेखन क्षेत्र की भूगर्भीय स्थिति, भू– आकृति एवं उक्त प्रस्तर में वर्णित तथ्यों को ध्यान में रखते हुये निम्न सुझाव दिये जा रहे है, जिन्हें प्रस्तावित मार्ग निर्माण में सम्मिलित किया जाना आवश्यक है।

(I) जावर से भांगादेवली लिंक मोटर मार्ग के निर्माण हेतु किसी अन्य समरेखन की सम्भावना को तलाशा जाना चाहिये, जिससे भूस्खलन से प्रभावित भाग को छोड़ते हुये मार्ग का निर्माण कराया जा सके। जैसा वर्तमान में प्रस्तावित है, उसके अनुसार मार्ग का निर्माण कराये जाने पर मार्ग के क्षतिग्रस्त होंने की सम्भावना बनी रहेगी।

(II) यदि ऐसे कोई अपरिहार्य कारण हैं, जिनके कारण प्रस्तावित समरेखन में परिवर्तन नहीं किया जा सकता है, तो ऐसी स्थिति में मार्ग के निर्माण हेतु सामान्य सावधानियों के साथ–साथ विशेष

H.K

2.26A

सुरक्षात्मक प्रावधानों की भी आवश्यकता होगी, किन्तु इसके पश्चात् भी मार्ग के स्थायित्व के सम्बंध में पूर्णतया आश्वस्त नहीं हुआ जा सकता है। मार्ग के निर्माण हेतु निम्न कुछ सुरक्षात्मक प्रावधानों पर विचार कर लिया जाना उचित होगा।

(क) भूस्खलन से प्रभावित भाग में मार्ग का कटान dry season में कराया जाये।

(ख) मार्ग कटान के साथ-साथ प्रभावित भाग में हिलसाइड ढलान को सपोर्ट करने हेतु समुचित परिकल्पना की ब्रेस्ट वाल अथवा प्लम ब्लाक्स का निर्माण करा दिया जाये।

(ग) मार्ग से नीचे बहने वाले स्थानीय गधेरे के किनारे पर कटाव को रोकने एवं toe support दिये जाने हेतु आवश्यक लम्बाई में समुचित परिकल्पना के प्लम ब्लाक्स का निर्माण कराया जाये।

(घ) मार्ग पर रोड साईड ड्रेन एवं स्कपर आदि का प्रावधान किया जाये। यह भी सुनिश्चित किया जाये कि स्कपर के पानी से भूक्षरण न हो।

(ङ) मार्ग से नीचे व ऊपर भूस्खलन से प्रभावित ढलान पर समुचित पौधों का रोपण कराया जाये, जिससे ढलानों पर भूक्षरण की प्रकिया को नियंत्रित रखा जाये।

(च) भूस्खलन से प्रभावित भाग के विस्तृत अध्ययन एवं रोक थाम हेतु प्रकरण किसी विशेषज्ञ संस्था/विभाग को संदर्भित किया जा सकता है।

(छ) वर्णित परिस्थितियों को देखते हुये वर्षाकाल में मार्ग पर विशेष अनुरक्षण कार्यों की आवश्यकता हो सकती है।

4 जावर से भंगादेवली लिंक मोटर मार्ग के निर्माण हेतु 3.00 कि0 मी0 लम्बाई के प्रस्तावित समरेखन पर वर्तमान परिस्थितियों में उपरोक्त सुझावों के साथ मार्ग निर्माण हेतु विचार किया जाये।

टिप्पणी:-

भूमि हस्तातरण की दृष्टि से समरेखन क्षेत्र में किये गये निरीक्षण एवं खण्ड द्वारा उपलब्ध कराये गये सर्वेक्षण विवरण के आधार पर यह एक जनरलाइज्ड आख्या है।

H.Kumar
20.2.15
(हर्ष कुमार)
वरि0 भूवैज्ञानिक (से0नि0)
लोक निर्माण विभाग

Sd/-

सहायक अभियन्ता,
प्रान्तीय खण्ड, लो० नि० वि०
अल्मोड़ा